मेरी पड़ोसन दीदी की कामुकता

“मेरी हिन्दी सेक्स स्टोरी मेरे पड़ोस में रहने वाली एक जवान लड़की की है, मुझसे बड़ी थी, मैं उसे दीदी कहता था. लेकिन एक दिन हम दोनों के बीच वो सब हो गया जो कोई लड़का अपनी दीदी के साथ नहीं कर सकता. ...”

Story By: (vr1)
Posted: शनिवार, जनवरी 20th, 2018
Categories: हिंदी सेक्स स्टोरी
Online version: मेरी पड़ोसन दीदी की कामुकता

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

मेरी पड़ोसन दीदी की कामुकता

एक बहुत पुरानी कहानी का सम्पादन के बाद पुनः प्रकाशन

दोस्तो, मैंने अन्तर्वासना पर आज तक बहुत सारी हिंदी सेक्स स्टोरीज़ पढ़ी हैं, उनमें बहुत सी स्टोरीज़ मुझे पसंद आईं.

मैं आज आपको मेरी एक घटना बताने जा रहा हूँ जो सिर्फ मुझे और शीतल को ही पता है. शीतल मेरे पड़ोस में रहती थी. जब वो अपने परिवार के साथ यहाँ रहने आई, तब मैं 18 साल का था और स्कूल में पढ़ता था. शीतल मुझ से 6 साल बड़ी थी और वो एम एस सी फाइनल ईयर में थी. वो 24 साल की थी. थोड़े ही दिनों में उस की फैमिली हमारी फैमिली के साथ घुल मिल गई थी. शीतल भी हमारे घर रोज आया करती थी. इस घटना से पहले मैं शीतल को दीदी कह कर ही बुलाता था.

एक बार मेरे कजिन ब्रदर और सिस्टर छुट्टी के दिनों में हमारे घर आए हुए थे. मैं अपने कजिन्स और शीतल दीदी के साथ मिल कर रोज कैरम और ताश के पत्ते खेलता था.

एक दिन मेरे घर वाले शादी के लिए दूसरे शहर चले गए. मैं और मेरा कजिन दोनों ब्रदर ही घर पे थे. शीतल ने मेरी माँ से कह दिया था कि वो हमारा ख्याल रखेगी और खाना भी बना देगी.

वो रात में मेरे घर आई और बोली कि आज मैं रात में यहाँ पर ही रुकना चाहती हूँ. हम बहुत सारी बातें करेंगे और तुम मुझे कम्प्यूटर के बारे में थोड़ी जानकारी दे देना.
मैंने खुश होकर कहा- हाँ शीतल दीदी, आज हम बहुत सारी बातें करेंगे और मस्ती भी करेंगे.

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

फिर उसने मुस्कुरा कर कहा- ओ के… लेकिन अभी प्लीज़ मुझे खाना बनाने में थोड़ी सी हेल्प कर दो.

मैं रसोई में उस की हेल्प करने लगा. वो नाईटी में बहुत ही सेक्सी माल लग रही थी. उसकी फ़िगर 34 26 34 की थी. उस ने अपने लम्बे बाल खुले छोड़े हुए थे. जब वो आटा गूँथने लगी तो शीतल के बाल उस के चेहरे पर आ गए.
उस ने मुझसे कहा- अभि, प्लीज़ मेरे बालों को संवार दो.
मैंने मौका देख कर बाल ठीक करते टाइम उस की चूचियों को टच कर लिया, वो मेरे तरफ़ देखती हुई हंस दी और बोली- तुम अपनी बीवी को बहुत खुश रखोगे क्योंकि तुम रसोई में बहुत अच्छी तरह से हेल्प करते हो.

मैंने कहा- शीतल, अगर मुझे तुम्हारी जैसी बीवी मिली तो मैं रोज पूरा खाना पका दूँगा.
उस ने मेरी तरफ़ घूर कर देखा, उस की आँखों में अलग सी शरारत थी. उस ने मुझ से पूछा- क्यों ? मुझ में ऐसी क्या खास बात है ?
मैंने कहा- तुम बहुत सेक्सी और सुंदर लड़की हो.
वो बनावटी गुस्से में आकर मुझसे बोली कि चलो अब हटो, बहुत बातें हो गई.. अब खाना खाने चलो.

मैं तब चुप रह गया. बाद में खाना होने के बाद मैं मेरा कजिन और शीतल बातें करने बैठ गए.
मैंने अपने स्कूल के एक झगड़े के बारे में बताया और यह भी बताया कि मैंने एक लड़के को कैसे पीटा, ये भी बताया.
मेरे कजिन ने मुझ से कहा कि भैया आप में कितनी ताकत है, जरा मुझे भी दिखाओ.. क्या आप मुझे एक हाथ से उठा सकते हैं ?
मैंने कहा- क्यों नहीं, अभी दिखाता हूँ.

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

मैंने उसको एक ही हाथ से उठा कर दिखाया.

तब शीतल हंस कर बोली- अभि वो तो छोटा बच्चा है, अगर तुम मुझे दोनों हाथों से उठा सकते हो तो मैं सच मानूँगी.
मैं आगे बढ़ा और उस को सामने से अपनी बांहों में भर कर उठा लिया.
उस के मुँह से आवाज निकल पड़ी- ओह्ह.. अह… मुझे उतारो… अभि मैं गिर जाऊंगी.

मेरा चेहरा उस के मम्मों में दबा था. आज पहली बार मुझे किसी लड़की के शरीर के इतने नजदीक जाने का मौका मिला था. मैंने उस को और कस के पकड़ लिया और उस के सॉफ्ट और जूसी मम्मों का मजा लिया.
तभी उस के मचलने से एक दम से हमारा संतुलन बिगड़ गया और हम दोनों सोफ़े पर जा गिरे.
मैं शीतल के ऊपर गिरा था, मेरा पूरा वजन उसके ऊपर था. उस की नाईटी के बटन मेरी शर्ट में उलझ गए थे. एक मिनट तक हम वैसे ही पड़े रहे.

हमारे जवान बदन की गर्मी एक दूसरे की जवानी आग को भड़का रहे थे. शीतल भी बहुत उत्तेजित हो गई थी और उस की छाती ज़ोर से धड़क रही थी. उसकी गर्म सांसें मैं महसूस कर सकता था.

तभी मैंने अपना एक हाथ उसकी जाँघों पर रख दिया था. मेरा लंड खड़ा हो गया था और शीतल को भी मेरे कड़क लंड का अहसास हो गया था.
जब उस को मेरे कजिन का ख्याल आया तो वो बोली- अभि मैं मर जाऊंगी, प्लीज़ जल्दी उठो.

वो अपनी नाईटी के बटन छुड़ाने की कोशिश करने लगी. उस के 3 बटन खुल गए थे, जिस से मैंने उस के 34 डी साइज़ के मम्मों देखा. उसके दूधिया एक दम सुडौल गोल मम्मों को

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

देखते ही मैं अपने होश खो बैठा.
बाद मैं हम वहाँ से उठ गए. कुछ देर बाद मेरा कजिन सोने के लिए चला गया.

मैं शीतल को कामुक निगाहों से देखने लगा. शीतल भी मेरी आँखों में प्यासी निगाहों से देख रही थी. मुझे शर्म आ गई और मैंने अपनी आँखें नीचे झुका लीं. शीतल ने भी मुझ से कुछ नहीं कहा.
एक मिनट बाद मैंने कहा- चलो शीतल, कम्प्यूटर चलाते हैं.
“ओके…”

अब मैं और शीतल मेरे रूम में कम्प्यूटर चालू करके बैठ गए. कुछ देर तक हम दोनों चुप रहे. वो मेरी तरफ़ अलग ही नज़र से देख रही थी और मैं उस से आँखें नहीं मिला पा रहा था. शीतल मेरे पास सरक कर आई और बोली- अभि क्या किसी लड़की को चाहते हो ?
मैंने कहा- नहीं..
उस ने अपने हाथ मेरी जाँघों पर रखते हुए पूछा- मुझे भी नहीं अभि.. ?
मैंने कहा- हाँ शीतल, मैं तुम्हें बहुत पसंद करता हूँ, पर तुम मुझ से बड़ी हो इसलिए हम शादी नहीं कर सकते.

उस ने मुझे अपनी बांहों में भर लिया और अपने लाल और गर्म होंठ मेरे होंठों पर रख दिए.
उस ने कहा- अरे पागल हम शादी नहीं कर सकते, पर वो सब तो कर सकते हैं, जो एक पति पत्नी शादी के बाद करते हैं.
मैंने पूछा- शीतल, क्या ये अच्छी बात है ?
उस ने मुझ से कहा- इसमें कोई बुरी बात नहीं है.
मैं थोड़ा सा शरमा रहा था.

वो बोली- ओह्ह शाई ब्वॉय.. मुझे तुम्हारा शरमाना बहुत अच्छा लगता है, पर क्या सारी रात ऐसे ही गुजारना है या कुछ करना भी है ?

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

उस की इस बात से मेरी हिम्मत बढ़ गई मैंने दरवाजा बंद किया और शीतल को अपनी बांहों में भर लिया. मैंने उस के सारे बदन को किस करना शुरू कर दिया. मैं उस की दोनों चूचियां नाईटी के बाहर से मसल रहा था.
शीतल के मुँह से निकल रहा था- ओह्ह अभि प्लीज़ धीरे करो ना..! अहा…
मैंने उस की नाईटी के बटन खोल दिए और अब वो मेरे सामने सिर्फ ब्रा और पेंटी में खड़ी थी.

उस ने काले रंग की झीनी सी ब्रा पहनी थी. मैंने उस की ब्रा का हुक खोल दिया, उस के गोल मम्मे एक दम से उछल कर हवा में फुदकने लगे. मैंने उस की चूचियों को थाम लिया और सहलाने लगा. शीतल एक दम से गरमा गई और उस ने मेरी शर्ट और पैन्ट भी अपने हाथों से उतार दिए.
शेष कपडे उतार कर अब हम दोनों नंगे हो गए थे.

मैंने उसे बेड पर लेटा दिया और उस के मम्मों को ज़ोर से दबाने लगा. मैंने उस का लाल निप्पल अपने होंठों में जकड़ लिया और चूसने लगा. उस की मस्त आहें निकलने लगीं. मैंने उस के एक निप्पल को अपने दांतों से हल्का सा काट दिया, जिस से एक तेज सिसकारी उस के मुँह से निकल गई- अह्हह्हह्ह… अभि माय बेबी… मुझे बहुत ही मजा आ रहा है क्या सब यूं ही खा जाओगे ?

फिर वो मेरे ऊपर आ गई और मेरे सीने पर किस करने लगी. वो अपने हाथ मेरे घुंघराले बालों में फिरा रही थी. मैं अपने हाथ उस के पीछे ले गया पर और उस के सेक्सी चूतड़ों पर फिराने लगा था.

फिर वो मेरे कान में बोली- अभि, अब मैं पूरी तरह तुम में समा जाना चाहती हूँ.
मैं उस के ऊपर चढ़ गया, मैंने उस की योनि की फांकों को खोल दिया और मेरे लंड का सुपारा उस में फिट कर दिया. उस ने मुझे अपनी बांहों में कस के पकड़ लिया.

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

अब मैं अपने लंड को चूतड़ों को ज़ोर से हिलाते हुए शीतल की चूत में पेल रहा था और वो भी अपने चूतड़ हिला कर मुझे पूरा साथ दे रही थी.

उस के मुँह से सेक्सी आवाज आ रही थी- उईए माँ.. आआह… मैं मर गई.. अभि कितने ज़ोर से हिला रहे हो.. थोड़ा प्यार से करो न..
मैंने अपनी स्पीड कम कर दी. अब शीतल को ज्यादा मजा आ रहा था, वो बोली- आह अभि अब थोड़ा ज़ोर से करो.. मुझे बहुत मज़ा आ रहा है.. और ज़ोर से चोदो.. अह..

मेरे लंड को उस की योनि की दीवारों का अहसास हो रहा था. उस की योनि बहुत ही टाईट थी और मैं अपना लंड ज़ोर से आगे पीछे करके उसे चोद रहा था. लंड उस की कसी हुई चूत में रगड़ कर आ जा रहा था, इससे मुझे बहुत मजा आ रहा था.
“अहह अभि.. स्सस्स.. अह्ह.. उमन्न…”

उस ने मेरे मुँह को अपनी चूचियों में दबा लिया और मेरे बाल कस के पकड़ लिए. हम दोनों दस मिनट की पलंग तोड़ चुदाई के बाद अब चरम सीमा पर आ गए थे. तभी एक दम से मेरा पूरा लंड उस की चूत में छूट गया.. इसी के साथ वो भी एक दम से अकड़ उठी और हम दोनों का स्खलन एक दूसरे को तृप्त करने लगा.

कुछ देर के बाद हम दोनों अलग हुए लेकिन अभी पांच मिनट भी नहीं हुए थे कि मेरे लंड ने पुनः अकड़ना शुरू कर दिया.

शीतल को लंड के सख्त होने का अहसास हुआ तो वो मेरे ऊपर आ गई और उसने अपनी चूत में मेरे सख्त लंड को गटक लिया. दोबारा चुदाई का संग्राम छिड़ गया और अब तो हम दोनों में से कोई भी पीछे नहीं रहना चाहता था. पलंग की चरचराहट और हम दोनों कामुक सीत्कारें कमरे को मादकता से भरे जा रही थीं.

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

अब की बार मानो लम्बी दौड़ का मामला था. काफी देर बाद शीतल मेरे सीने पर गिर गई.. मगर वो झड़ी नहीं थी, थक गई थी.

मैंने अन्तर्वासना की एक मस्त चुदाई की कहानी को याद किया और उस को घोड़ी बना कर पीछे से लंड का वार उस की चूत में कर दिया. यूं घोड़ी बन कर चुदवाने में उस को भी मजा आ रहा था. मैंने उस के लटकते संतरों को अपनी मुठ्ठियों में भींचा और धकापेल लंड पेलना जारी रखा. शीतल बड़ी जबर्दस्त चुदक्कड़ निकली, उस ने मेरे लंड को मानो निचोड़ लिया था.

बीस मिनट की लम्बी चुदाई के बाद मैंने अपने लंड का वीर्य उस की चूत में छोड़ दिया. अब हम दोनों ही बुरी तरह से थक चुके थे लेकिन असीम आनंद का अनुभव कर रहे थे. हम कुछ देर तक एक दूसरे की बांहों में पड़े रहे. मैंने पूरी तरह अपने आप को छोटे बच्चे की तरह शीतल के हवाले कर दिया था. वो भी मुझे चूम रही थी और सहला रही थी.

मैंने उस से कहा- शीतल तुम ने मुझे आज तक का सब से बड़ा सुख दिया है, आई लव यू शीतल !
वो अपने हाथ की उंगलियाँ मेरे बालों में फिराती हुई बोली- अभि, मैं तुम्हें हमेशा से पसन्द करती हूँ और प्यार करती हूँ, मैं तुम्हे यह सुख पहले ही देना चाहती थी, तभी तो आज मैंने तुम्हारी मम्मी को अपने आप ही कह दिया था कि मैं तुम्हारा ख्याल रखूंगी और रात को यहीं रहूँगी. अब तुम जब भी चाहो मुझे मांग लेना, तुम मेरा जो भी मांगोगे, मैं दे दूंगी.

उस पूरी रात हम दोनों ऐसे ही एक दूसरे की बांहों में एक दूसरे को प्यार करते हुए पड़े रहे, नंगे ही सो गए और जब सुबह उठा तो मेरा लंड खड़ा था, मैंने शीतल दीदी… ओह दीदी नहीं शीतल को जगाया और एक बार चुदाई की.

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

इस के बाद तो जब मन हुआ, मौक़ा तलाशा और चुदाई का मजा लेना शुरू हो गया.

दोस्तो, ये मेरी रियल सेक्स स्टोरी थी, आपको कैसी लगी, मुझे कमेंट्स करके जरूर बताएं !
अभि

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

Other sites in IPE

Indian Pink Girls

URL: www.indianpinkgirls.com **Average traffic per day:** New site **Site language:** English **Site type:** Mixed **Target country:** India A Sexy Place for Indian Girls. It's first of it's kind launched for Indians. Find everything you read, watch and hear with respect to the women's perspective.

Malayalam Sex Stories

URL: www.malayalamsexstories.com **Average traffic per day:** 12 000 GA sessions **Site language:** Malayalam **Site type:** Story **Target country:** India The best collection of Malayalam sex stories.

Meri Sex Story

URL: www.merisexstory.com **Average traffic per day:** 12 000 GA sessions **Site language:** Hindi, Desi **Site type:** Story **Target country:** India Daily updated Hindi sex stories, Indian sex, Desi sex kahani.

Desi Kahani

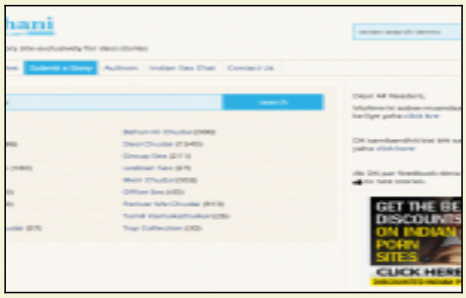

URL: www.desikahani.net **Average traffic per day:** 180 000 GA sessions **Site language:** Desi, Hinglish **Site type:** Story **Target country:** India Read over 6000+ desi sex stories and daily updated new desi sex kahaniyan only on DesiKahani.

Arab Phone Sex

URL: www.arabphonesex.com **CPM:** Depends on the country - around 1,5$ **Site language:** Arabic **Site type:** Phone sex - IVR **Target country:** North Africa & Middle East Listing of phone sex services for Arabic speaking audience (mobile view).

Kambi Malayalam Kathakal

URL: www.kambimalayalamkathakal.com **Average traffic per day:** 31 000 GA sessions **Site language:** Malayalam **Site type:** Stories **Target country:** India Daily updated hot erotic Malayalam stories.

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire